विराज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस

प्रॉस्पेक्टस

बिहार का सर्वश्रेष्ठ पैरामेडिकल संस्थान

VIRAJ INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCE

Address - VIMS, Chhoti Pahari, Agamkuan Main Road, Patna 800007

Website – www.vimscollege.com Toll Free Number – 18004198443 WhatsApp - 8709167512

मैं इस संस्थान का निदेशक राज कुमार आपका विगत कई वर्षों से सफलतापूर्वक चलते हुए प्रतिष्ठित पैरामेडिकल संस्थान में स्वागत करता हूँ, जहाँ से अब तक सैकड़ों विद्यार्थी सफल हो के चिकित्सा जगत के हर विभाग और देश-विदेश के हर कोने में काम कर के अपना, अपने संस्थान और देश का नाम रौशन कर रहे हैं। जाहिर है की आप ने इस पैरामेडिकल कॉलेज में कुछ सोच समझ के अपनी रूचि दिखाई होगी।

Director of VIMS with H.E. Governor of Bihar Shri Fagu Chauhan, Health Minister of Bihar Shri Mangal Pandey and Culture Minister of Bihar Shri Pramod Kumar

मैं सबसे पहले पैरामेडिकल जगत के बारे में आपको अवगत करा देता हूँ ताकि आप सोच समझ कर ही अपनी आने वाली जिंदगी के बारे में सही निर्णय लें। क्यूंकि यह निर्णय आप के सपने से जुड़ा हुआ है जो की आप की सफलता पे निर्भर करता है। तो आइये पहले आप और मैं, दोनों साथ

मिलकर पैरामेडिकल साइंस और उससे जुडी हुई अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं जैसे की पैरामेडिकल की पढाई करने के बाद नौकरी, पदोन्नति और आपके कैरियर की प्रगति पे चर्चा करें।

Director of VIMS with Member of Parliament from Maharajganj Shri Janardan Singh Sigriwal

<u>सबसे पहले ये समझना जरुरी है की पैरामेडिकल क्या और पैरामेडिकल तकनीशियन किसे कहते है?</u>

पैरामेडिकल साइंस, मेडिकल साइंस का एक अभिन्न अंग है। दुनिया या देश के किसी भी कोने में किसी भी मरीज़ या रोगी पे उपचार करने के पहले हर डॉक्टर उस मरीज़ का डायग्नोस्टिक जांच करवाता है।

Director of VIMS with Smt Renu Devi Deputy CM of Bihar

मरीज़ के डायग्नोस्टिक रिपोर्ट के आधार पर ही कोई डॉक्टर अपनी सलाह देता है। और डायग्नोस्टिक केंद्र पे उस मरीज़ की जांच करने वाला और कोई नहीं बल्कि एक पैरामेडिकल तकनीशियन होता है।

अगर उस मरीज़ की खून से सम्बंधित कोई जांच करनी होती है तो डॉक्टर उसे पैथोलॉजी जांच घर पे भेजते हैं। वहां पे जांच करने वाला तकनीशियन एक पैरामेडिकल तकनीशियन होता है, जिसे हम पैथोलॉजी तकनीशियन भी कहते हैं। इसमें अपना कैरियर बनाने के लिए आपको मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी का डिप्लोमा कोर्स करना होगा।

अगर उस मरीज़ की हड्डी या आंतरिक अंग की कोई तस्वीर लेनी है तो डॉक्टर उसे एक्स रे, ई.सी.जी, ऍम.आर.आई, सी. टी. स्कैन या अल्ट्रासाउंड जांच केंद्र पे भेजते हैं। वहां पे जांच करने वाला तकनीशियन एक पैरामेडिकल तकनीशियन होता है, जिसे हम रेडियो इमेजिंग तकनीशियन भी कहते हैं। इसमें अपना कैरियर बनाने के लिए आपको रेडियो इमेजिंग टेक्नोलॉजी का डिप्लोमा कोर्स करना होगा।

इन डायग्नोस्टिक केंद्रों से रिपोर्ट आने के बाद ही कोई डॉक्टर अपनी सही सलाह दे सकता है। अब आप मान लीजिये की डॉक्टर ने उस मरीज़ पे उसके रिपोर्ट के आधार पे, ऑपरेशन करने का फैसला लिया। अब ऑपरेशन करने के लिए डॉक्टर उस मरीज़ को अपने हॉस्पिटल में भर्ती कर लेंगे। हॉस्पिटल में भर्ती होने के बाद उस मरीज़ को ऑपरेशन थिएटर में ले जाना होगा। यहाँ इस ऑपरेशन थिएटर में ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर के साथ

कुछ और भी पैरामेडिकल तकनीशियन होते हैं जो की डॉक्टर की ऑपरेशन करने में मदद करते हैं।

ऑपरेशन थिएटर के अंदर मौजूद सारे उपकरणों की साफ़, सफाई और गुणवत्ता की जिम्मेदारी उन पैरामेडिकल तकनीशियन को होती है। इन

पैरामेडिकल तकनीशियन को ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन कहते हैं। इसमें अपना कैरियर बनाने के लिए आपको ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी का डिप्लोमा कोर्स करना होगा।

अभी तक तो आप पैरामेडिकल और पैरामेडिकल तकनीशियन के बारे में समझ चुके होंगे। अब आइये इस बात को समझते हैं की पैरामेडिकल डिप्लोमा पढ़ने के बाद आप जैसे पैरामेडिकल तकनीशियन की नौकरी के लिए कैसी मांग है?

अगर अस्पतालों की बात करें तो देश भर में 2 लाख से ज्यादा सरकारी और गैर सरकारी अस्पताल, 1 लाख 60 हज़ार से ज्यादा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र हैं। देश में लगभग 1 लाख डायग्नोस्टिक केंद्र हैं और इनमें से 76 प्रतिशत पैथोलॉजी व 24 प्रतिशत रेडियोलॉजी सर्विसेज दे रही हैं। आज के हालत में हर साल मरीज़ों की संख्या विभिन्न प्रकार की बिमारियों जैसे की डाइबिटीज़,

लाखों में बढ़ रही है और इस हिसाब से अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों की संख्या भी हर महीने हज़ारों में बढ़ रही है। भारत सरकार की विशिस्ट और महत्वाकांछी योजना आयुष्मान भारत बीमा योजना के बारे आप ने जरूर कहीं न कहीं सुना होगा। यह योजना देश के हर गरीब तबके के लिए बनाई गयी है। इसके अलावा हर सरकारी व गैर सरकारी कर्मचारियों की अपनी स्वास्थ्य बीमा होती है।

चूँकि अपना इलाज़ कराने के लिए अब लोगों के पास हर तरह की बीमा भी उपलब्ध है तो आप जरा गौर से सोचिए की अस्पतालों में ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन और डायग्नोस्टिक केंद्रों में पैथोलॉजी व रेडिओग्राफी (एक्स रे) तकनीशियन की कितनी जरुरत होगी।

और ये बात केवल मैं नहीं, सरकार भी कह रही है। भारत सरकार की अति महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थान एन.एस.डी.सी. के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 2022 तक भारतीय चिकित्सा जगत में 11 लाख स्वास्थ्य संबन्धित पेशेवरों जैसे की पैरामेडिकल तकनीशियन इत्यादी की जरूरत होगी।

चलिए यह तो बात अपने देश की थी, अब जरा विदेश में नौकरी के लिए कैसी मांग है, इस बात पर भी चर्चा कर लें।

अगर विदेश की बात करें तो एक आंकड़े के मुताबिक पूरे विश्व में सिर्फ भारत के ही करीब 23 प्रतिशत पैरामेडिकल स्टाफ हैं. वहीं आकड़ों पर अगर गौर करें तो आने वाले समय में ये आंकड़ा दोगुना होने वाला है. यानि कि 2024 तक पूरे विश्व में सिर्फ भारत के पैरामेडिकल स्टाफों की मांग 40

फीसदी से ज्यादा बढ़ने की संभावना है। यूरोपीय देश हो या फिर ऑस्ट्रेलिया, यहां भारतीय पैरामेडिकल स्टाफों की सबसे ज्यादा मांग है. सिर्फ ब्रिटेन

नेशनल हेल्थ सर्विस ही हर वर्ष एक हजार से ज्यादा सिर्फ भारतीय पैरामेडिकल स्टाफ को भर्ती करता है।

अब आप खुद सोचिये की पैरामेडिकल डिप्लोमा की पढाई करके आप अपना सपना पूरा कर सकते हैं या नहीं।

एक मिनट के लिए सोचिये क्या आप ही अपने सपने के सामने रोड़ा बन के नहीं खड़े हैं.

आप उलझन में हैं क्यूंकि आज की दुनिया में जरुरत से ज्यादा ज्ञान लेने वालों और देने वालों की भरमार है। और आप इसके शिकार हो चुके हैं। सही ज्ञान और कैरियर के लिए सही दिशा निर्देश देने वालों लोगों की कमीं नहीं है लेकिन आप समझदार हैं तो थोड़ी देर के लिए सोचेंगे जरूर की क्या जो मैं

सुन रहा हूँ वो सही है या गलत? खैर ये तो आपको सोचना है। मैं केवल बोल सकता हूँ, बता सकता हूँ लेकिन दर्द जरूर होता है जब आप जैसे युवा सही उम्र में सही ज्ञान और दिशानिर्देश के अभाव में भटक जाते हैं।

मेरे मानना है की जो जिस क्षेत्र का है उससे उसी क्षेत्र का ज्ञान लें तो आप सफल जरूर होंगे। हर सफल क्रिकेटर, गायक, अभिनेता का कोई मार्गदर्शक व्यक्ति होता है जो उसे सही ज्ञान देता है और उसे आगे बढ़ाता है।

और अगर मैं पैरामेडिकल लाइन की बात करूँ तो इस क्षेत्र में काम करने वालों से ही मार्गदर्शन लें। यह व्यक्ति आपके परिवार के या आपके दोस्त हो सकते हैं लेकिन मेडिकल लाइन से जुड़े हुए होने चाहिए।

मैं भी आप की तरह भटका हुआ था लेकिन सही मार्गदर्शन सही व्यक्ति से मिलने के बाद मैं सफलता की सीढी चढ़ता गया। मैंने देश और विदेश की

कई दिग्गज कंपनियों में काम किया और वापस अपनी मातृभूमि बिहार आके यहाँ के विकास में योगदान देने लगा।

आप निर्णय कोई भी लें, एडमिशन लें या न लें। लेकिन मैंने जो बातें ऊपर कहीं हैं उससे जरूर कुछ सीखें।

अब पैरामेडिकल साइंस में डिप्लोमा के लिए क्या योग्यता होनी चाहिए, इस पे बात करते हैं।

अगर आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, तो पढ़ाई इण्टर साइंस से होनी चाहिए। साइंस में मैथ या बायो, दोनों ही भारत सरकार के मानक के हिसाब से योग्य हैं। अगर आप ने इंटर आर्ट्स या कॉमर्स से किया हो और

पैरामेडिकल के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए बहुत ही इच्छुक हैं तो आप इस कोर्स कर सकते हैं। लेकिन आप सरकारी नौकरी के लिए योग्य नहीं मानें जाएंगे।

अगर आप पैरामेडिकल के क्षेत्र में पहले से काम कर रहें हैं तो आप हमारा डिस्टेंस या पार्ट टाइम कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। और अगर आप ग्रेजुएट हैं तो भी चिंता की कोई बात नहीं है। आप भी इसमें अपना कैरियर बना सकते हैं।

सबसे जरुरी बात जो की आपके लिए बहुत मायने रखती है, वो है इस कोर्स को करने के बाद आप की सैलरी। तो आईए उस के बारे में बात करें। अगर इसमें वेतन की बात करें तो इस क्षेत्र में काम करने वाले आप जैसे युवा और युवतियों को शुरुआती दौर में ही 10 हजार से 15 हजार तक मिलते हैं।

वहीं अगर आप सरकारी अस्पतालों में काम करते हैं, तो आप की मासिक सैलरी 35000 रुपये तक होती है। वहीं अगर आप विदेशों में काम करने जाते हैं तो आपको भारतीय मुद्रा के हिसाब में करीब 1 लाख 25 हजार रुपये तक की अच्छी खासी मोटी सैलरी मिलती है।

वहीं जैसे-जैसे आपका अनुभव बढेगा आपकी सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

हालांकि हम दोनों ने थोड़ी देर पहले पैरामेडिकल डिप्लोमा कोर्सेस के बारे में थोड़ी बात की थी। लेकिन अब हम दोनों को इनके बारे में विस्तार से बात जरूर करनी चाहिए क्यूंकि बात आपके कीमती समय, पैसे और सपने की है।

हमेशा इस बात को याद रखें।

किस्मत को हम अपने कलम से खुद लिखते हैं, फैसला आप को करना है कलम पैरामेडिकल में चलाना है, स्वरोज़गार में चलाना है या फिर रेलवे की नौकरी में आवेदन भरने वाले 2 करोड़ लोगों की भीड़ के साथ चलाना है।

फैसला और हौसला दोनों आपके साथ है।